अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह में प्रति-व्यक्ति आय

253. **श्री राम रतन शर्मा** : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह में प्रतिव्यक्ति आय कितनी है : और

(ख) यहां आय के साधन क्या हैं, तथा इन द्वीपो की आर्थिक उन्नति के लिये क्या पग उठाए जा रहे हैं और उनके क्या परिणाम निकले है ?

योजना मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री मोहन धारिया) : (क) और (ख). अस्थायी मोटे अनुमानो के अनुसार, वर्ष 1969-70 के दौरान अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह में प्रतिव्यक्ति आय 799 रुपये थी।

इन द्वीपो के आर्थिक विकास के लिए अपनाए गये उपायो को दर्शाते हुये एक विवरण सभापटल पर प्रस्तुत है। इन उपायो का क्या प्रतिफल होगा, इसकी जनकारी तभी मिल पायेगी, जबकि ये उपाय पूरी तरह कार्यान्वित हो जायेंगे।

विवरण

अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह के निवासियों का मुख्य व्यवसाय कृषि और वन है। सरकारी नौकरी भी इन दीपसमूहों के लोगों को काफी मात्रा में रोजगार प्रदान करती है।

अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह के आर्थिक विकास के लिये कई उपाय किये जा रहे हैं। ये निम्न प्रकार है :

(1) पांच वर्ष और वार्षिक योजनाएं

पहली पंचवर्षीय योजना से वार्षिक योजना 1968-69 तक अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के सामाजिक आर्थिक विकास पर लगभग 16 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई।

वर्ष 1968-70 से चौथी योजना कार्यान्वित की जा रही है जिस पर 1969-74 के दौरान 14 करोड़ रुपये व्यय होंगे। योजना के अंतर्गत (क) सचार साधन सडक, पत्तन और बंदरगाहें, आदि के लिये बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, बिजली इत्यादि की व्यवस्था, और (ख) वन व ग्रामोद्योग और लघु उद्योग सहित कृषि विकास पर बल दिया जा रहा है।

(2) द्वीप-समूह मे केंद्रीय क्षेत्र के अंतर्गत एक विशेष क्षेत्र विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इस पर 1969-74 की पाच वर्षों की अवधि में 4.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाई जाने वाली महत्व-पूर्ण स्कीमें वनों को साफ करना और साफ किए गये स्थानो पर खेती करना, रबड़ की बागवानी लगाना और मछली पालन का विकास से सम्बन्धित है।

(3) इस सारे संघ शासित क्षेत्र को औद्योगिक दृष्टि से पिछडा क्षेत्र घोषित किया गया है और इस प्रकार यह वित्तीय संस्थानों से रियायती वित्त प्राप्त करने का अधिकारी है।

Telephon Factory at Bangalore

254. **SHRI ESWARA REDDY :**
SHRI ISHAQUE SAMBHALI :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether the Telephone factory in Bangalore is having a very low productive capacity and the quality of its products is very inferior ;

(b) if so, the broad features of its projective capacity and quality of its products and steps taken to rectify the position ; and

(c) whether the factory was constructed with U. S. collaboration ?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI H. N. BAHUGUNA) : (a) No

(b) The Indian Telephone Industries Limited manufacture various types of telecommunication equipment, including telephone instruments, telephone exchange equipment of Strowger and Crossbar types.